Total number of pages — 20

B13–SK

2013

SANSKRIT

Full Marks : 100

Pass Marks : 30

Time : Three hours

(NEW COURSE)

For HSLC Regular candidates and unsuccessful Regular candidates of 2011, 2012.

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

(OLD COURSE)

[From Page 11]

Downloaded from JobAssam.in

Contd.

1. Translate the following passages : 4×4=16

তলৰ অনুচ্ছেদ কেইটা অনুবাদ কৰাঁ :

(a) अस्ति मगधदेशे चम्पकवती नामारण्यानी। तस्यां चिरान्महता स्नेहेन मृगकाकौ निवसतः। स च मृगः स्वेच्छया भ्राम्यन् हृष्टपुष्टाङ्गः केनचित् शृगालेन अवलोकितः। तं दृष्ट्वा शृगालोऽचिन्तयत्-आः कथमेतत् मांसं सुललितं भक्षयामि।

Or / অথবা

ततः क्षेत्रपतिना हर्षोत्फुल्ललोचनेन तथाविधो मृगः आलोकितः। आः स्वयं मृतोऽसि इत्युक्त्वा मृगं बन्धनात् मोचयित्वा पाशान्ग्रहीतुं सयत्नो बभूव। ततः काकशब्दं श्रुत्वा मृगः सत्वरम् उत्थाय पलायितः।

(b) आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः।

नास्त्युद्यमसमो बन्धुः कुर्वाणो नावसीदति॥

Or / অথবা

आरम्भगुर्वी क्षयिणी क्रमेण

लघ्वी पुरा वृद्धिमुपैति पश्चात्।

दिनस्य पूर्वार्धपरार्धभिन्ना

छायेव मैत्री खलसज्जनानाम्॥

(c) ततः दुःखितमना स राजा भोजः समीपस्थं मन्त्रिणं बुद्धिसागरं कथमपि संयुक्राक्षरमुवाच वाचम् — 'बुद्धिसागर! इतः परमस्मद्‌विषये न कोऽपि भिषग्‌वरो वसतिमातनोतु। वाग्भटादि-भेषजकोशान् निखिलान् स्रोतसि निरस्यागच्छ।'

Or / অথবা

परं तस्मिन्नेव क्षणे कार्यवशात् बहिर्निर्गतः बुद्धिसागरः तौ दृष्ट्वा तयोः वार्तां श्रुत्वा तौ राज्ञः समीपं नीतवान्। राजा तौ अवलोक्य मुखश्रियाऽमानुषादिति बुद्‌ध्वा तौ बहु मानितवान्। ततः तौ ऊचतु :- 'राजन् न भेतव्यम्।'

(d) यस्त्वविज्ञानवान् भवत्ययुक्तेन मनसा सदा।

तस्येन्द्रियाण्यवश्यानि दुष्टाश्व इव सारथेः॥

Or / অথবা

सह नाववतु। सह नौ भुनक्तु। सह वीर्यं करवावहै।

तेजस्विनावधीतमस्तु। मा विद्विषावहै॥

2. Explain the following verses with reference to the context : 5×2=10

প্ৰসঙ্গ সঙ্গতি দেখুৱাই তলত দিয়া শ্লোক কেইটাৰ ব্যাখ্যা কৰাঁ :

(a) अत्र रामश्च सीता च लक्ष्मणश्च महायशाः।

सत्यं शीलं च भक्तिश्च येषु विग्रहवत् स्थिताः॥

Or / অথবা

पादोपभुक्ते तव पादुके मे एते प्रयच्छ प्रणताय मूर्ध्ना।

यावद् भवानेष्यति कार्यसिद्धिं तावद्भविष्याम्यनयोर्विधेयः॥

(b) नित्यं शस्त्रं परिवहन् क्रमेण स तपोधनः।

चकार रौद्रीं स्वां बुद्धिं त्यक्त्वा तपसि निश्चयम्॥

Or / অথবা

स्नेहाच्च बहुमानाच्च स्मारये त्वां तु शिक्षये।

न कथञ्चन सा कार्या गृहीतधनुषा त्वया॥

3. Expand the idea of the following : 4×2=8

তলত দিয়া বোৰৰ ভাৱ বহলাই লিখাঁ :

(a) सन्तः स्वयं परहिते विहिताभियोगाः।

Or / অথবা

सर्वस्यौषधमस्ति शास्त्रविहितं मूर्खस्य नास्त्यौषधम्।

(b) शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्।

Or / অথবা

हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः।

4. Answer the following questions : 4×3=12

তলৰ প্ৰশ্নবোৰৰ উত্তৰ দিয়াঁ :

(a) Write a note on the पञ्चतन्त्र।

পঞ্চতন্ত্ৰৰ বিষয়ে এটি টোকা লিখাঁ।

(b) What do you mean by 'सुरभारती' ?

Write the names of *any three* great poets mentioned in the lesson.

'সুৰভাৰতী' মানে কি বুজাঁ ? পাঠটোত উল্লেখ কৰা *যি কোনো তিনিজন* মহাকবিৰ নাম লিখাঁ।

(c) Answer the following questions in Sanskrit :

তলৰ প্ৰশ্নকেইটাৰ উত্তৰ সংস্কৃতত লিখাঁ :

(क) श्रीमन्तशंकरदेवस्य पितुर्नाम किम् आसीत् ?

(ख) शैशवे शंकरदेवः कस्य विद्यालये शिक्षाग्रहणम् अकरोत् ?

(ग) शंकरदेवेन को नाम धर्मः प्रवर्तितः ?

(घ) किं नाम पुराणं शकरदेवेन अनूदितम् ?

5. *(a)* Answer the following :

তলৰ প্ৰশ্নবোৰৰ উত্তৰ লিখাঁ :

(i) How does the mind of the great remain at the time of adversity ? 2

বিপদত মহৎ লোকসকলৰ মনবোৰ কেনে অৱস্থাত থাকে ?

(ii) एवं विचार्य सिंहः तस्य आह्वानमकरोत् ?

What did the lion consider and whom did he invite ? 2+1=3

সিংহই কি বিবেচনা কৰিছিল আৰু কাক আহ্বান কৰিছিল ?

(iii) अयं ______ परो वेति ______ लघुचेतसाम्।

Fill in the blank in the statement. 2

বাক্যষাৰিৰ খালী ঠাই পূৰণ কৰাঁ।

(iv) मितञ्च सारं च वचो हि वाग्मिता।

Write the meaning of the statement clearly. 2

বাক্যষাৰিৰ অৰ্থ স্পষ্টকৈ লিখাঁ।

(v) सुरतरुरिव कामप्रदायिनी।

Elucidate the idea of the statement. 2

বাক্যষাৰিৰ অৰ্থ বহলাই লিখাঁ।

(vi) Name *two* Ankiya dramas written by Shrimanta Shankaradeva. 2

শ্ৰীমন্ত শঙ্কৰদেৱে ৰচনা কৰা *দুখন* অঙ্কীয়া নাটকৰ নাম লিখাঁ।

(b) (i) Give one Sanskrit equivalent of the term 'वेपथु'। 1

'বেপথু' শব্দৰ সংস্কৃত প্ৰতিশব্দ এটি লিখাঁ।

(ii) Who is the author of हितोपदेश ? 1

হিতোপদেশৰ গ্ৰন্থকাৰ কোন ?

(iii) The उपनिषद्s are known as ________ also. Fill in the gap. 1

উপনিষদ সমূহক ________ বুলিও জনা যায়। খালী ঠাই পূৰণ কৰাঁ।

(iv) भोज was the king the city of मगध / धारा / मथुरा।

Select the correct word. 1

শুদ্ধ শব্দটো বাছি উলিওৱা।

(v) Whom do you mean by 'वीणामुनि' ? 1

'বীণামুনি' বুলিলে কাক বুজাঁ ?

(vi) भरत was the son of कौशल्या।

Say 'yes' *or* 'no'. 1

ভৰত কৌশল্যাৰ পুত্ৰ আছিল। 'হয়' নে 'নহয়' কোৱাঁ।

6. (a) Account for case-ending in ***any two*** of the following : 2×2=4

शृगालेन in Q. No. 1 *(a)* [1 নং *(a)* প্ৰশ্নত]

स्रोतसि in Q. No. 1 *(c)* [1 নং *(c)* প্ৰশ্নত]

सारथेः in Q. No. 1 *(d)* [1 নং *(d)* প্ৰশ্নত]

मे in Q. No. 2 *(a)* *or* [2 নং *(a)* *অথবা* প্ৰশ্নত]

(b) Derive ***any two*** of the following : 2×2=4

তলৰ ***যিকোনো দুটাৰ*** ব্যুৎপত্তি নিৰ্ণয় কৰাঁ :

निवसनः in Q. No. 1 *(a)* [1 নং *(a)* প্ৰশ্নত]

बभूव in Q. No. 1 *(a) or* [1 নং *(a) অথবা* প্ৰশ্নত]

भेतव्यम् in Q. No. 1 *(c) or* [1 নং *(c) অথবা* প্ৰশ্নত]

उक्त्वा in Q. No. 1 *(a) or* [1 নং *(a) অথবা* প্ৰশ্নত]

7. *(a)* Decline ***any two*** of the following : 1½×2=3

তলৰ ***যিকোনো দুটাৰ*** শব্দৰূপ লিখাঁ :

मानव in सप्तमी plural [সপ্তমীৰ বহুবচনত]

लता in षष्ठी duel [ষষ্ঠীৰ দ্বিবচনত]

साधु in चतुर्थी singular [চতুৰ্থীৰ একবচনত]

सम्राज् in षष्ठी singular [ষষ্ঠীৰ একবচনত]

(b) Conjugate ***any two*** of the following : 1½×2=3

তলৰ ***যিকোনো দুটাৰ*** ধাতুৰূপ লিখাঁ :

√ पठ् in लोट् हि (লোট্ বিভক্তিৰ হি)

√ कृ in लृट् स्यामि (লৃট্ বিভক্তিৰ স্যামি)

√ ग्रह् in लङ् द् (লঙ্ বিভক্তিৰ দ্)

√ इ in लोट् तु (লোট্ বিভক্তিৰ তু)

(c) Change the voice of ***any two*** of the following : 2×2=4

তলৰ ***যিকোনো দুটাৰ*** বাচ্য পৰিবৰ্তন কৰা :

(i) हनुमान् सीतां दृष्टवान्।

(ii) रामेण पुस्तकं पठ्यते।

(iii) कुत्र गच्छति भवान् ?

(iv) अहं व्याघ्रं पश्यामि।

(d) Name and expound ***any one*** of the following compounds : 2

ব্যাসবাক্য লিখি তলৰ ***যিকোনো এটাৰ*** সমাসৰ নাম লিখাঁ :

प्रतिदिनम्, युधिष्ठिरः, राजपुरुषः।

(e) Define and illustrate करण कारक। 2+1=3

উদাহৰণসহ কৰণ কাৰকৰ লক্ষণ লিখাঁ।

Or / অথবা

Give examples of ***any two*** of the following in suitable sentences : 1½×2=3

উপযুক্ত বাক্যত তলৰ ***যিকোনো দুটাৰ*** উদাহৰণ দিয়াঁ :

(i) कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे द्वितीया।

(ii) येनाङ्गविकारः।

(iii) चतुर्थी सम्प्रदाने।

(iv) भावे सप्तमी।

(f) Give the resultant forms of ***any two*** of the following : 1×2=2

তলৰ ***যিকোনো দুটাৰ*** নিষ্পন্ন ৰূপ লিখাঁ :

(i) √ गम्+ णिच् + लट् ति।

(ii) √ श्रु + णिच् + लट् ति।

(iii) √ पा + सन् + लट् ति।

(iv) √ पठ् + सन् + लट् ति।

8. Translate into Sanskrit ***any four*** of the following sentences : 2½×4=10

তলৰ ***যিকোনো চাৰিটাৰ*** সংস্কৃতলৈ অনুবাদ কৰাঁ :

(a) India is our motherland.

ভাৰতবৰ্ষ আমাৰ মাতৃভূমি।

(b) I see an elephant on the road.

মই বাটত এটা হাতী দেখিছোঁ।

(c) Sanskrit is a very sweet language.

সংস্কৃত এটা অতি মধুৰ ভাষা।

Contd.

(d) Sita went to forest with Rama.

ৰামৰ লগত সীতা বনলৈ গৈছিল।

(e) Where are you going now ?

তুমি এতিয়া ক'লৈ গৈছা ?

(f) The sky is covered with clouds.

আকাশখন ডাৱৰে আবৰি আছে।

——×——

Downloaded from JobAssam.in

Downloaded from JobAssam.in

2013

SANSKRIT

Full Marks : 100

Pass Marks : 30

Time : Three hours

(OLD COURSE)

[For unsuccessful HSLC Private Candidates of 2012 and earlier]

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. Translate the following passages : 5×4=20

তলৰ অনুচ্ছেদবোৰ অনুবাদ কৰাঁ :

(a) वीरवरो ब्रूते —प्रत्यहं सुवर्णपञ्चशतानि देहि। राजाह — का ते सामग्री ? वीरवरो ब्रूते — द्वौ बाहू तृतीयश्च खड्गः। राजाह — नैतच्छक्यम्। तच्छ्रुत्वा वीरवरश्चलितः। अथ मन्त्रिभिरुक्तम् — देव!...।

Or / অথবা

तच्छ्रुत्वा सानन्दः शक्तिधरो ब्रूते धन्योऽहमेवंभूतः स्वामिराज्यरक्षार्थं यन्ममोपयोगः श्लाघ्यः। तत् कोऽधुना विलम्बस्य हेतुः ? एवंविधे कर्मणि देहस्य विनियोगः श्लाघ्यः।

(b) तदनागतावेक्षां करोमि। परालक्ष्यस्थाने वित्तानि धारयामीति परामृश्य तथा कृतवान्। ततो दुर्भिक्षे स परिवारान् सर्वानन्नेन विना म्रियमाणान् पश्यन्नपि कस्मैचित् किमपि न ददौ।

Contd.

Or / অথবা

गूढधन उवाच — अये नगरवासिनः पुरुषाः, किमपि कुरुत। मया प्राणव्ययेनापि धनव्ययो न स्वीक्रियते। त ऊचुः — तर्हि राज्ञा वा चौरेण वा न ग्रहीतव्यं त्वयि विपन्ने तव धनम्। गुढधंन उवाच — अन्यस्यैव बुद्धिविहीनस्य धनमन्ये गृह्णन्ति।

(c) देव! अस्मदधीतेषु विषयेषु अंकशास्त्र एव मम सर्वाधिका प्रीतिरस्ति। अंकशास्त्रस्य गभीरतरमध्ययनमेव मम जीवनस्य उद्देश्यमस्ति। विज्ञानमेव मानवसमाजस्य प्रगतेर्मूलम्।

Or / অথবা

अहं तु यथाकालमध्ययनं परिसमाप्य राजनीतिं करिष्यामि। यदुक्तं महाभारते — सर्वस्य जीवलोकस्य राजधर्मः परायणमिति। राजधर्म एव राजनीतिरित्युच्यते। अतएव सुष्ठु राजनीतेः विशेषप्रयोजनमस्ति।

(d) प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः

प्रारभ्य विघ्नविहता विरमन्ति मध्याः।

विघ्नैः पुन पुनरपि प्रतिहन्यमानाः

प्रारब्धमुत्तमजना न परित्यजन्ति॥

Or / অথবা

दानं भोगो नाशस्तिस्रो गतयः भवन्ति वित्तस्य।

यो न ददाति न भुंक्ते तस्य तृतीया गतिर्भवेत्॥

2. Explain the following verses with reference to the context : 7×2=14

প্ৰসঙ্গ সঙ্গতি উল্লেখ কৰি শ্লোকবোৰ ব্যাখ্যা কৰাঁ :

(a) अजातमृतमूर्खेभ्यो मृताजातौ सुतौ वरम्।

यतस्तौ स्वल्पदुःखाय यावज्जीवं जडो दहेत्॥

Or / অথবা

अनन्तपारं किल शब्दशास्त्रं

स्वल्पं तथायुर्बहवश्च विघ्नाः।

यत् सारभूतं तदुपासनीयं

हंसैर्यथा दुग्धमिवाम्बुमध्यात्॥

(b) न गृहं गृहमित्याहुर्गृहिणी गृहमुच्यते।

गृहं तु गृहिणी हीनमरण्यसदृशं मतम्॥

Or / অথবা

शरणागतस्य कर्तव्यमातिथ्यं हि प्रयत्नतः॥

पञ्चयज्ञप्रवृत्तेन गृहस्थेन विशेषतः॥

3. Expand the idea contained in *any two* of the following : 5×2=10

তলৰ ***যিকোনো দুটাৰ*** ভাব বহলাই লিখাঁ :

(a) नास्ति भार्यासमो लोके सहायो धर्मसंग्रहे॥

Or / অথবা

छेत्तुमप्यागते छायां नोपसंहरते द्रुमः॥

(b) क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम्॥

Or / অথবা

सत्संगतिः कथय किंन करोति पुंसाम्।

Downloaded from JobAssam.in

Contd.

Downloaded from JobAssam.in

4. Answer the following : 5×3=15

তলৰ প্ৰশ্নকেইটাৰ উত্তৰ লিখাঁ :

(a) जीवन्ती च म्रियन्ते च मद्विधाक्षुद्रजन्तवः।

अनेन सदृशो लोके न भूतो न भविष्यति॥

Who said so ? Why did the speaker say so ? Explain.

এইদৰে কোনে কৈছিল ? বক্তাই এইদৰে কিয় কৈছিল, ব্যাখ্যা কৰাঁ।

Or / অথবা

Elucidate the idea contained in the following statement :

তলৰ বাক্যষাৰিৰ থকা ভাবটি বহলাই লিখাঁ :

सन्निमित्ते वरं त्यागो विनाशे नियते सति।

(b) कृपणकरगतानां संपदां दुर्विपाकः।

What do you mean by the term 'दुर्विपाक' here ? Mention the 'दुर्विपाक' with reference to the wealth of a miserly person.

ইয়াত 'দুৰ্বিপাক' শব্দটোৱে কি বুজাইছে ? কৃপণৰ হাতৰ ধনে কেনে 'দুৰ্বিপাক' আনে, উল্লেখ কৰাঁ।

Or / অথবা

Fill in the gaps in the following verse :

তলৰ শ্লোকফাঁকিৰ শূন্যস্থান পূৰণ কৰাঁ :

कृपणस्य ______ प्राणाः प्रार्थयद्‌भिश्च ______ ।

______ किं नैव गृह्यन्ते ______ न स्युर्धने शुचः॥

(c) Write what is said by Amaresha (अमरेश) about his aim in life.

অমৰেশে তেওঁৰ জীৱনৰ উদ্দেশ্যৰ বিষয়ে কি ক'লে লিখাঁ।

Or / অথবা

महाशय, अध्ययनं परिसमाप्य यथाकालमहमेकः सैनिको भविष्यामि।

Who says so ? How does the speaker explain his aim in life ?

এই দৰে কোনে কৈছে ? বক্তাই তেওঁৰ জীৱনৰ উদ্দেশ্য কেনেদৰে ব্যাখ্যা কৰিছে ?

5. Answer the following questions as directed :

নির্দেশ অনুসৰি তলৰ প্ৰশ্নবোৰৰ উত্তৰ দিয়াঁ :

(a) 'अहं त्वां शाशनशतेन नियोजयामि।'

Who said so ? To whom was it said ? 1+1=2

কথাষাৰ কোনে কৈছিল আৰু কাক কোৱা হৈছিল ?

(b) What do you mean by बुद्धिप्रबोधन ? 1

বুদ্ধিপ্ৰবোধন মানে কি বুজাঁ ?

(c) पितामह महाप्राज्ञ सर्वशास्त्रविशारद।

In which of your lessons does this statement occur ? Who is addressed as 'पितामह' here ? 2

উক্ত বাক্যষাৰি তোমাৰ কোনটো পাঠত আছে ? ইয়াত 'পিতামহ' বুলি কাক সম্বোধন কৰা হৈছে ?

(d) How many पर्वण्s are there in the महाभारत ? 1

মহাভাৰতত কেইটা পৰ্ব আছে ?

6. *(a)* Account for case-endings in ***any two*** of the following : 1½×2=3

তলৰ ***যিকোনো দুটাৰ*** কাৰক বিভক্তি নিৰ্ণয় কৰাঁ :

मन्त्रिभिः in Q. No. 1 *(a)* [1 নং *(a)* প্ৰশ্নত]

कस्मैचित् in Q. No. 1 *(b)* [1 নং *(b)* প্ৰশ্নত]

विषयेषु in Q. No. 1 *(c)* [1 নং *(c)* প্ৰশ্নত]

विघ्नभयेन in Q. No. 1 *(d)* [1 নং *(d)* প্ৰশ্নত]

(b) Derive ***any two*** of the following : 1×2=2

তলৰ ***যিকোনো দুটাৰ*** ব্যুৎপত্তি নিৰ্ণয় কৰাঁ :

परामृश्य in Q. No. 1 *(b)* [1 নং *(b)* প্ৰশ্নত]

ग्रहीतव्यम् in Q. No. 1 *(b)* [1 নং *(b)* *অথবা* প্ৰশ্নত]

प्रारभ्यते in Q. No. 1 *(d)* [1 নং *(d)* প্ৰশ্নত]

छेत्तुम् in Q. No. 3 *(a) or* [1 নং *3(a)* *অথবা* প্ৰশ্নত]

(c) Name and expound ***any two*** of the following : 1½×2=3

তলৰ ***যিকোনো দুটাৰ*** ব্যাসবাক্যসহ সমাসৰ নাম লিখাঁ :

दुर्भिक्षे in Q. No. 1 *(b)* [1 নং *(b)* প্ৰশ্নত]

धनव्ययः in Q. No. 1 *(b) Or* [1 নং *(b)* *অথবা* প্ৰশ্নত]

अजातमृतमूर्खेभ्यः in Q. No. 2 *(a)* [2 নং *(a)* প্ৰশ্নত]

क्षुद्रजन्तवः in Q. No. 4 *(a)* [4 নং *(a)* প্ৰশ্নত]

(*d*) Change the voice of ***any one*** of the following : 2

তলৰ ***যিকোনো এটাৰ*** বাচ্য পৰিবৰ্তন কৰাঁ :

(*i*) तच्छ्रुत्वा वीरवरश्चलितः।

(*ii*) मया प्राणव्ययेनापि धनव्ययो न स्वीक्रियते।

7. (*a*) Decline ***any two*** of the following : 1½×2=3

তলৰ ***যিকোনো দুটাৰ*** শব্দৰূপ লিখাঁ :

श्री in ২য়া plural [দ্বিতীয়াৰ বহুবচনত]

अस्मत् in ৭মী singular [সপ্তমীৰ একবচনত]

शिशु in ৬ষ্ঠী plural [ষষ্ঠীৰ বহুবচনত]

विद्वस् in ৩য়া singular [তৃতীয়াৰ একবচনত]

(*b*) Conjugate ***any two*** of the following : 1½×2=3

তলৰ ***যিকোনো দুটাৰ*** ধাতুৰূপ লিখাঁ :

√ अद् in विधिलिङ् third person singular (বিধিলিঙ্ বিভক্তিৰ প্ৰথম পুৰুষৰ একবচনত)

√ शी in लट् third person plural (লট্ বিভক্তিৰ প্ৰথম পুৰুষৰ বহুবচনত)

√ चिन्त् in लङ् third person singular (লঙ্ বিভক্তিৰ প্ৰথম পুৰুষৰ একবচনত)

√ स्था in विधिलिङ् second person singular (বিধিলিঙ্ বিভক্তিৰ মধ্যম পুৰুষৰ একবচনত)

(c) Frame sentences to illustrate the use of ***any two*** of the following : 1½×2=3

তলৰ ***যিকোনো দুটাৰ*** প্ৰয়োগ দেখুৱাই বাক্য ৰচনা কৰাঁ :

अपवर्गे दृतीया।

धारेरुत्तमर्णः।

अपादाने पञ्चमी।

यतश्च निर्धारणम्।

(d) Give the resultant forms of ***any two*** of the following : 1½×2=3

তলৰ ***যিকোনো দুটাৰ*** নিষ্পন্ন ৰূপ লিখাঁ :

शिव + अण् + सु (पुं)

कुन्ती + ढक् + सु (पु)

√कृ + ण्यत् + सु (नपुं)

√गम् + शतृ + सु (पुं)

(e) Correct ***any two*** of the following : 1½×2=3

তলৰ ***যিকোনো দুটা*** শুদ্ধ কৰাঁ :

(i) भगवतः महिमा अपारा।

(ii) स दुग्धं पीतम्।

(iii) महाराज्ञः आज्ञा पालनीया।

(iv) पर्वतस्य निकषा नदी विद्यते।

8. Translate into Sanskrit *any two* of the following : 5×2=10

তলৰ ***যিকোনো দুটা*** বাক্য সংস্কৃতলৈ অনুবাদ কৰাঁ :

(a) This is the cottage where Rama lived with Sita

এই কুটীৰতে ৰামে সীতাৰ লগত বাস কৰিছিল।

(b) Brave men are not afraid of death.

সাহসী মানুহে মৃত্যুলৈ ভয় নকৰে।

(c) A wise man is respected everywhere.

জ্ঞানী লোকে য'তে ত'তে সম্মান পায়।

(d) When will your mother come ?

তোমাৰ মা কেতিয়া আহিব ?

—×—

Downloaded from JobAssam.in